मौसम आधारित

कृषि सलाह कैसे प्राप्त करें

डी. वी. सिंह एवं सुरेन्द्र पूनियाँ

2013

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर 342 003
(भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद)

पशुओं का गर्मी एवं सर्दी से बचाव आदि में पूर्वानुमान से मदद मिलती है।

मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान के आधार पर वर्षा का आगमन, उसकी मात्रा एवं वितरण की जानकारी भी रहती है। इससे किसान खेत तैयार करना, बीज की व्यवस्था करना, नत्रजन का किस समय छिड़काव करना, फसल में निराई, गुड़ाई कब करना, कतारों के मध्य वर्षा जल का संचय व निकास की व्यवस्था करना, फसल के पकने की स्थिति में तापमान व वर्षा के अनुरूप कटाई करके सही व सुरक्षित स्थान पर रखना जैसे फैसले समय रहते कर सकते हैं।

वर्तमान में काजरी, जोधपुर से एकीकृत कृषि मौसम परामर्श सेवा बुलेटिन सप्ताह में दो बार क्रमशः मंगलवार तथा शुक्रवार को भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली से प्राप्त मध्यम अवधि के मौसम पूर्वानुमान के आधार पर पाँच जिलों (जोधपुर, बाड़मेर, चुरू, जालोर एवं पाली) के लिए जारी किया जाता है। एकीकृत कृषि मौसम परामर्श बुलेटिन में मुख्यतः बीते दिनों के मौसम की जानकारी, अगले पाँच दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान तथा कृषकों के लिए मौसम आधारित परामर्श की जानकारी दी जाती है।

पाँच जिलों के एकीकृत कृषि मौसम परामर्श बुलेटिन काजरी, जोधपुर द्वारा स्थानीय समाचार पत्रों जैसे राजस्थान पत्रिका, दैनिक भास्कर, दैनिक नवज्योति तथा जलते दीप, जिले के संयुक्त

निदेशक एवं उप–निदेशक, कृषि विभाग, राजस्थान सरकार, जिले में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों, भारत मौसम विभाग, जयपुर, ईटीवी राजस्थान तथा जोधपुर के स्थानीय दूरदर्शन चैनल को भेजे जाते हैं। आकाशवाणी जोधपुर केन्द्र से सांयकालीन प्रसारित होने वाले कार्यक्रम, खेती बाड़ी एंव कृषि जगत में प्रसारण के लिए भी बुलेटिन भेजे जाते हैं। किसान भाई इंटरनेट सुविधा के द्वारा काजरी की वेबसाइट (http://www.cazri.res.in) के मौसम (वेदर) कॉलम में तथा कृषि मौसम विज्ञान प्रभाग, भारत मौसम विज्ञान विभाग, पुणे की बेवसाइट (http://www.imdagrimet.gov.in) के जिला कृषि सलाहकार सेवाएं बुलेटिन के कॉलम में भी हिन्दी में प्रकाशित बुलेटिनों से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। किसान भाई मौसम आधारित जानकारी प्राप्त करने के लिए काजरी में स्थित एकीकृत कृषि मौसम परामर्श सेवा केन्द्र के फोन (0291-2786089) पर सम्पर्क कर सकते हैं। यदि किसान भाई मोबाइल के माध्यम से एस एम एस द्वारा मौसम तथा उससे जुड़े कृषि सुझाव की जानकारी प्राप्त करना चाहते हैं तो वह मौसम परामर्श केन्द्र के दूरभाष संख्या 0291-2786089 पर अपने मोबाइल नम्बर का रजिस्ट्रेशन भी करवा सकते हैं।

प्रकाशक : निदेशक, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर 342 003
सम्पर्क सूत्र : दूरभाष +91–291–2786584 (कार्यालय)
+91–291–2788484 (निवास), फैक्सः +91–291–2788706
ई–मेल : director@cazri.res.in
वेबसाईट : http://www.cazri.res.in
सम्पादन समिति : एम.पी. सिंह, आर.एस. त्रिपाठी, निशा पटेल
ए.एस. सिरोही एवं हरीश पुरोहित

काजरी किसान हेल्प लाईन : 0291–2786812

Evergreen 94141 28647

मौसम की परिस्थितियों को कुछ समय पहले बताना मौसम पूर्वानुमान कहलाता है। भारत में मानसून का समय मुख्यतः जून से सितम्बर तक का होता है। मानसून काल में पूरे भारत में 880 मि. मी. वर्षा होती है। इस दौरान राजस्थान में कुल औसत वर्षा 530 मि.मी. तथा पश्चिम राजस्थान में कुल औसत वर्षा 306 मि.मी. ही होती है। मानसूनी वर्षा का वितरण कुछ कारणों से बराबर नहीं होता है। मानसून का आगमन एवं वापसी दोनों धीरे–धीरे होते हैं। राजस्थान के थार मरूस्थल में मानसून लगभग जुलाई के प्रारम्भ तक पहुँचता है तथा यहाँ से 15 सितम्बर के आस पास लौटना प्रारम्भ कर देता है। दक्षिण–पश्चिमी मानसून दो शाखाओं में बंटकर हमारे देश में प्रवेश करता है। एक बंगाल की खाड़ी तथा दूसरी अरब सागर की शाखा होती है। दोनों स्थानों से मानसून उत्तर पूर्व दिशा में बढ़ता हैं। ये शाखाएँ जहाँ पर सक्रिय होती हैं, वहाँ पर अच्छी वर्षा होती है। मानसून को सक्रिय बने रहने के लिए बंगाल की खाड़ी एवं अरब सागर से निम्न वायुदाब; अवदाब या गहरा अवदाब का बनना तथा इसका भारत की ओर आना अत्यन्त आवश्यक होता है। कभी–कभी ये दोनों शाखाएँ सक्रिय होकर किसी स्थान विशेष के ऊपर जब मिलती हैं, तो उस स्थान या क्षेत्र के ऊपर भारी वर्षा दर्ज की जाती है तथा ऐसी वर्षा 3 से 5 दिन तक चल सकती है जिससे कि बरसात के पानी से बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

मौसम पूर्वानुमान :

मौसम या वर्षा का पूर्वानुमान मुख्यतः तीन प्रकार का होता है –

(1) कम अवधि का पूर्वानुमान (24 से 48 घंटे के लिये)

(2) मध्यम अवधि का पूर्वानुमान (3 से 10 दिन के लिये)

(3) लम्बी अवधि का पूर्वानुमान (1 महीना एवं ऋतुकाल के लिये)

मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान:

मध्यम अवधि के मौसम पूर्वानुमान की मदद से कृषि से जुड़े अनेक कार्यो को सुचारू तरीके से करने में मदद मिलती है। संकट की स्थिति से निपटने एवं जल प्रबंधन, सिंचाई एवं बाढ़ की चेतावनी दी जा सकती है। अप्रेल, 2007 में भारत मौसम विज्ञान विभाग ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, केन्द्र एवं राज्यस्तरीय कृषि मंत्रालय, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों और अन्य संगठनों के सहयोग से देश में एकीकृत कृषि मौसम परामर्श सेवा का शुभारंभ किसानों को सही समय पर मौसम के अनुरूप कृषि कार्य करने की सलाह हेतु तथा कृषकों के चहुंमुखी विकास के उद्देश्य से किया। कृषि–मौसम परामर्श सेवा बुलेटिन तीन स्तरों से जारी होता है।

❖ राष्ट्रीय स्तर पर केन्द्रीय कृषि मौसम परामर्श केन्द्र–कृषि मौसम विज्ञान प्रभाग,

भारत मौसम विज्ञान विभाग पुणे द्वारा जारी किया जाता है।

- ❖ राज्य स्तर पर क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र द्वारा जारी होता है।
- ❖ जिला स्तर पर कृषि मौसम परामर्श सेवा केन्द्र द्वारा जिला स्तरीय कृषि मौसम परामर्श बुलेटिन किसानों के लिए जारी किया जाता है।

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (काजरी) के मौसम विज्ञान इकाई द्वारा पाँच जिलों के किसानों के लिए कृषि मौसम परामर्श सेवा बुलेटिन जारी किया जाता है। इस बुलेटिन में आगामी पाँच दिनों में वर्षा की स्थिति, तापमान, मेघावरण की स्थिति, पवन की गति, पवन की दिशा तथा आपेक्षिक आर्द्रता के साथ कृषि सुझाव की जानकारी दी जाती है। इस बुलेटिन को पढ़कर क्षेत्र के किसान भाई काफी लाभ उठा सकते हैं। मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान की मदद से कृषि में होने वाले नुकसान को काफी कम किया जा सकता है जैसे वर्षा का पूर्वानुमान होने पर किसान भाई सिंचाई बन्द कर सकते हैं जिससे ट्यूबवेल का खर्च एवं पानी की बचत होगी। उर्वरक देते ही अगर भारी वर्षा होती है तो वह बहकर या बरसात के पानी के साथ नीचे भूमि में गहराई में चला जाता है। इस नुकसान को भी हम मौसम पूर्वानुमान के अनुसार कम कर सकते हैं। पाले की रोकथाम, कीटनाशकों का छिड़काव, खाद एवं पानी देने में,